अध्याय 01

ईटें, मनके तथा अस्थियां

हड़प्पा सभ्यता

पहले ऐसे माना जाता-था कि मेसोपोटामिया की सभ्यता मिस्र की सभ्यता चीन की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से हैं- लेकिन १९२० के दशक मे हड़प्पा सभ्यता की खोज हुई- उसके बाद यह ज्ञात हुआ- कि हड़प्पा सभ्यता जैसी कोई और भी सभ्यता अस्तित्व मे थी-।

Note ⇒ इस सभ्यता को सिन्धु घाटी सभ्यता या इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है- १९२१ में अस्तित्व मे आयी-

हड़प्पा सभ्यता की खोज कैसे हुई

लगभग 160 साल पहले पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) में पहली बार रेलवे लाईन बिछाई जा रही थी- और कुछ स्थान पर खुदाई का कार्य चल रहा था- उत्खनन कार्य के दौरान कुछ इंजीनियरों को अचानक हड़प्पा पुरास्थल मिला- यह स्थान आधुनिक समय में पाकिस्तान मे हैं- उन कर्मचारियों ने इसे खंडहर समझ लिया- और यहा की हजारो ईटों को उखाड़ कर यहा से ले गए- और इंटो का इस्तेमाल रेलवे लाइन बिछाने में किया गया- लेकिन वह यह नही जान सके की यहाँ कोई सभ्यता थी-।

हड़प्पा सभ्यता की खोज

हड़प्पा सभ्यता की खोज जॉन मार्शल के नेतृत्व में हुई- तथा इसकी खोज "दयाराम साहनी" ने १९२१ मे की थी- हड़प्पा नामक स्थान पर तथा मोहनजोदड़ो की खोज "राखाल दास बैनर्जी" ने १९२२ में की-।

Note ⇒ हड़प्पा सभ्यता का कालक्रम (२६००-१९०० ई०पू०) -।

CamScanner

1921 में दयाराम साहनी ने हड़प्पा नामक स्थान पर खुदाई करवायी- हड़प्पा की मुहरे की खोज की- 1922 में राखालदास बैनर्जी ने - मोहनजोदड़ो नामक स्थान पर उत्खनन कार्य किया - और इन्होने ही वैसी मुहरें की खोज की जैसी मुहरे हड़प्पा में मिली थी -।
इसके बाद यह अनुमान लगाया गया - की यह दोनो क्षेत्र एक ही संस्कृति के भाग हैं - इसके बाद सन् 1925 में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल सर जॉन मार्शल ने पुरे विश्व के सामने एक नई सभ्यता की खोज की घोषणा की -।

हड़प्पा सभ्यता का नामकरण

* इस सभ्यता की खोज सबसे पहले हड़प्पा नामक स्थान पर हुई -, तथा इसलिए इसका नाम हड़प्पा सभ्यता पड़ गया - यह सभ्यता सिन्धु-घाटी के किनारे बसी थी - इसलिए हड़प्पा सभ्यता को सिन्धु-घाटी सभ्यता भी कहा जाता हैं - इसको हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता हैं -

Note ⇒ हड़प्पा सभ्यता "रावी नदी" के तट पर स्थित हैं -।

हड़प्पा सभ्यता में निर्वाह के तरिके

① कृषि उत्पादन ② पशुपालन ③ व्यापार ④ शिकार

1. कृषि ⇒ हड़प्पा सभ्यता के स्थलों पर रहने वाले लोग कृषि करते थे -, तथा इस सभ्यता मे कई कृषि से जुडे उपकरण भी हमें इस सभ्यता में मिलती है - तथा गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरे, और चावल इत्यादि फसलें उगाते थें -।

Note ⇒ बाजरे के दाने हड़प्पा सभ्यता मे सर्वप्रथम "गुजरात" में मिले थें -। जो कि हड़प्पा सभ्यता में कृषि को दर्शाते हैं -

BoardStudy
CamScanner

[प:२:१] अनुपात ईंटो का

२. पशुपालन ⇒ हड़प्पा स्थलों से जानवरों की हड्डियाँ प्राप्त हुई -। इससे पता लगता हैं - कि यह लोग जानवरों को पाला जाता करते थे - जानवरो की हड्डियों से हम अन्दाजा लगा सकते -

३. व्यापार ⇒ इस सभ्यता के लोग मवेशी भेड़, बकरी, भैंस तथा सूअर पालन करते थे - तथा उनका व्यापार भी करते थे - और कृषि से उत्पाद से भी व्यापार करते हैं -

4. शिकार ⇒ इस सभ्यता के लोग मछली और पक्षियो का शिकार भी - करते थे - तथा यहाँ पक्षियों की हड्डियाँ भी मिली हैं - इससे - अनुमान लगाया जाता है - कि हड़प्पाई निवासी जानवारो का - माँस खाते थे - तथा शिकार करते थे -।

हड़प्पा सभ्यता में कृषि प्रौद्योगिकी

1. हड़प्पाई मुहर में वृषभ (बैल) की जानकारी भी मिलती हैं -
२. इतिहासकारों ने ऐसा अनुमान लगाया हैं - कि हड़प्पाई मुहर निवासी ही खेत जोतने में बैल का प्रयोग करते थे -।
३. मिट्टी के बने बैल प्रतिरूप मिले इतिहासकारो को चोलिस्तान (पाकिस्तान) और बनावली (हरियाणा) से तो इससे यह अनुमान लगाया गया हैं - कि खेतों मे हल के द्वारा जुताई की जाती हैं - और एक साथ दो अलग - अलग फसले भी उगाई जा सकती हैं -
4. लोग लकड़ी के हाथों से बनाए गए पत्थर से फलको का प्रयोग - फसल कटाई के रूप मे उपयोग भी किया करते थे -
5. अफगानिस्तान मे शोर्तुघई से नहरो के कुछ सबुत भी मिले हैं -
6. धोलावीरा (गुजरात) में जलाशय के प्रमाण भी मिले हैं -
7. राजस्थान के कालीबंगन (हनुमानगढ) में जुते हुए खेतों के हल - मिले जो कि हड़प्पा सभ्यता से संबंधित हैं -।

CamScanner

हड़प्पा सभ्यता का क्षेत्रीय विस्तार

Note ⇒ हड़प्पा सभ्यता का विस्तार त्रिकोण आकार मे था = ⇓

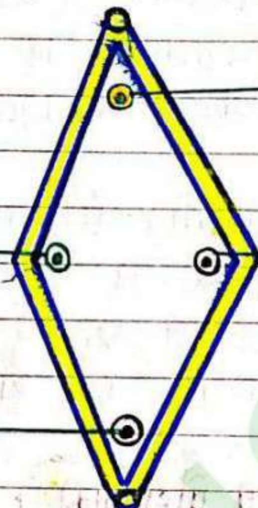

मोहनजोदड़ो

1. हड़प्पा सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी- इस पर सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रो का विकास करना था -

२. सबसे पहले खोजा गया स्थल हड़प्पा था - सबसे अधिक प्रसिद्ध - जो स्थान पुरास्थल मोहनजोदड़ो था -।

३. हड़प्पा संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केन्द्र थें -।
   (i) हड़प्पा
   (ii) मोहनजोदड़ो
   } (वर्तमान पाकिस्तान)

Note ⇒ हड़प्पा सभ्यता में सर्वप्रथम बस्तियो शहरों का विकास भी मोहनजोदड़ो में सर्वप्रथम हुआ था -।

CamScanner

पुरास्थल

पुरास्थल ऐसे स्थल को कहते हैं - जिस स्थल पर पुराने औजार बर्तन (मृदभाण्ड) इमारत तथा इनके अवशेष प्राप्त होते हैं - इनका निर्माण यहाँ रहने वाले लोगों ने अपने लिए किया था - जिन्हे छोड़कर वही-कही चले गए - हजारो वर्षो बाद यह अवशेष जमीन के ऊपर या अन्दर पाये जाते हैं - यह एक नियोजित शहरी केन्द्र था - जहाँ भवनों का निर्माण से पहले इसका पूरा नियोजन किया था -।

हड़प्पा सभ्यता की बस्ती

हड़प्पा सभ्यता की बस्ती को दो भागो मे विभाजित हैं -
(1) दुर्ग बस्ती (2) निचला शहर

1. दुर्ग ⇒
(i) दुर्ग ऊँचाई पर बने हुए थे -
(ii) दुर्ग ऊँचे इसलिए थे - क्योंकि यहाँ पर बनी संरचना - कच्ची ईंटो के चबूतरे पर बनी थी -।
(iii) दुर्ग को चारों ओर से दीवार से घेरा गया था - यह दीवार दुर्ग को निचले शहर से अलग करती थी -
(iv) मालगोदाम = इसका निचला हिस्सा ईंट से बना हुआ था - इसका ऊपरी हिस्सा नष्ट हो गया - जो संभवत: लकड़ी का बना होगा - मालगोदाम कहा जाता था -।
(v) विशाल स्नानगर = यह आंगन मे बना आयताकार - जलाशय हैं - जो चारों ओर से एक गलियारे से घिरा हुआ हैं - सम्भवत: इसका उपयोग अनुष्ठान के स्नान के लिए ही इसका उपयोग किया जाता हैं - तथा यह विशालकाय होते हैं -। ऐसे स्नागार काफी अधिक देखने को मिले थें -।

निचला शहर

- ऐसा माना जाता हैं - कि निचले शहर में आवासीय भवन थे - निचला शहर दुर्ग के मुकाबले अधिक बड़े क्षेत्र में बसा था -।

* **जल निकासी व्यवस्था** – हड़प्पा सभ्यताएँ की अनूठी विशेषताएँ की प्रणाली थी - जिसमें जल निकासी तथा सड़को और गलियों को ही लगभग ग्रीड पद्धति में बनाया गया -, यह एक - दूसरे को समकोण पर काटती थी - तथा हड़प्पा सभ्यता में गलियों के अगल - बगल में मकान बनाए गए -, प्रत्येक घर का गंदा पानी इन नालियों के जरिए शहर से बाहर चला जाता था -।

* **गृह - स्थापत्य कला** – मोहनजोदड़ो के निचले शहर में आवासीय भवन थे -, जो यहाँ के आवास मे आँगन तथा चारो ओर कमरें - बने हुए थें -, आँगन खाना बनाने तथा कटाई करने के काम में भी आता था - कमरे आवासीय मे आँगन बना होता था -।

Note ⇒ मोहनजोदड़ो में कुँओ की संख्या "700" थी -।

हड़प्पाई समाज मे भिन्नता का अवलोकन

हर समाज के अन्दर रहने वाले लोगो में सामाजिक और - आर्थिक भिन्नताएँ भी होती हैं -।
इन भिन्नताओ को जानने के लिए इतिहासकार कई तरिकों का ही प्रयोग करते हैं - हड़प्पा सभ्यता में रहने वाले लोगो द्वारा अलग - अलग बातों का विश्वास रखते थें - तथा हर समाज में रहने वाले लोगो के साथ सामाजिक और आर्थिक भिन्नताएँ होती हैं -।

BoardStudy

CamScanner

1. शवाधान का अध्ययन —
शवाधान एक अंतिम संस्कार विधि हैं- तथा हड़प्पा सभ्यता में लोग अंतिम संस्कार पर व्यक्ति को दफनाया ही जाता था- साथ ही मिट्टी के बर्तन तथा आभूषण भी दफना दिए जाते थे- शायद ये लोग पुनर्जन्म में विश्वास करते थें-।
मिस्र के विशाल पिरामिड हड़प्पा सभ्यता से समकालीन थें-, एवं इनसे कई पिरामिड राजकीय शवाधान भी थें -।

२ विलासिता की वस्तुओ की खोज —
सामाजिक भिन्नता को पहचानते का एक तरिका हैं- उपयोगी और विलास की वस्तु का अध्ययन -।
→ उपयोगी वस्तु वह होती हैं- जो रोजमर्रा की उपयोग मे लाई - जाती हैं- जैसे - चमकीला, चक्कियाँ, मिट्टी के बर्तन इत्यादि -।
→ जो महंगी तथा दुर्लभ हो ऐसी वस्तुओ को पुरातात्विक कीमती - मानते थें -, जैसे - फयांस के पात्र ये कीमती मानते थें- क्योकि इन्हे बनाना कठिन था- इन्हे घिर्सी रेत + रँग + चिपचिपा पदार्थ के मिश्रण से पकाकर बनाया जाता था -।

शिल्प उत्पादन - चन्हूदड़ो

1. चहुदड़ो नामक स्थान जो वर्तमान पाकिस्तान मे हैं - शिल्प उत्पादन का महत्वपूर्ण केन्द्र था - जो हड़प्पा सभ्यता से सबंधित हैं -।

2. शिल्प कार्य — (i) मनके बनाना -
(ii) शंख की कटाई -
(iii) धातु - कार्य -
(iv) मुहर - निर्माण -
(v) बाट बनाना -

CamScanner

मनको का निर्माण –

मनके का निर्माण विभिन्न प्रकार के पदार्थों से किया जाता हैं-
1. कार्नेलियन → सुन्दर लाल रंग का -
2. जैस्पर → स्फटिक, क्वार्टज, सेलखड़ी -
3. धातु → सोना, तांबा, कांसा -

* कुछ मनके दो या दो से अधिक पत्थरो को आपस में जोड़कर ही बनाए जाते थे- ये मनके चक्राकार, बेलनाकार, गोलाकार, ढोलाकार खण्डित आदि प्रकार के हो सकते हैं- इन पर चित्रकारी करके सजाया जाता हैं-,
* मनके बनाना में विभिन्न पदार्थों का इस्तेमाल होता है- मनको को बनाने में घिसाई पॉलिश और इसमे छेद करने के कई सारे - उपकरण हड़प्पा सभ्यता मे मिले हैं-।

इतिहासकारो द्वारा उत्पादन केन्द्र की पहचान

⇒ जिन स्थानों पर शिल्प उत्पादन का कार्य होता हैं- वहा कच्चा माल तथा त्यागी गई वस्तुओं का कूड़ा-करकट मिला है - इसमें ही - इतिहासकारो अनुमान लगा लेते थे- कि इन स्थानों मे शिल्प - उत्पादन का कार्य होता था-।

• **पुरातात्वविद सामान्यत :-**

पत्थर के टुकडे, शंख माल, शिल्पकारी - के औजार, अपूर्ण वस्तुएँ त्याग दिया गया कूड़ा-करकट भी यह ढूंढते हैं - इनसे निर्माण स्थल तथा निर्माण कार्य में भी महत्वपूर्ण - कार्य की जानकारी भी प्राप्त होती है-।

1. रोपण, संघोन → पंजाब 2. मांडा → कश्मीर

CamScanner

शिल्प उत्पादन में कच्चे माल की प्राप्ति

- कच्चा माल ⇒ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जैसे – मिट्टी, बर्तन आदि - दूर से लायी जाने वाली वस्तु जैसे पत्थर, लकड़ी तथा धातु जलोढ मैदान से बाहर से मंगाए जाते थे -

उपमहाद्वीप तथा उसके आगे आने वाला माल

हड़प्पावासी शिल्प उत्पादन के लिए कच्चा माल प्राप्त करने के लिए कई तरिके को अपनाया करते हैं -।

1. नागेश्वर और बालाकोट से शंख मिल जाता था -।
2. लोथल से कार्नेलियन पत्थर मिलता था -।
3. सेलखड़ी पत्थर दक्षिणी राजस्थान और गुजरात मे मिलता था -
4. राजस्थान के खेतड़ी (जोधपुर) से ताम्बा - जोधपुरा - गणेश्वर
5. दक्षिणी भारत मे सोना मिल जाता था - सुवर्णगिरी.

सुदूर क्षेत्रो से सम्पर्क

हाल ही में कुछ वर्षो मे कुछ पुरातात्विक खोज से ऐसा ज्ञात हुआ है - कि ताम्बा ओमान से भी लाया जाता था - ओमान के ताम्बे - तथा - हड़प्पाई पुरावस्तु दोनों में निकील के अंश मिले हैं -
एक हड़प्पाई मुहर मर्तबान जिसके ऊपर काली मिट्टी की एक मोटी परत चढी हुई थी - ओमान से प्राप्त हुई थी - तथा हड़प्पाई - पुरावस्तु ओमान से ताम्बा तथा राजस्थान के खेतड़ी से भी तांबा लाया जाता था - इस तरह से हड़प्पा सभ्यता के लोग - सुदूर क्षेत्रो से सम्पर्क करते थे -।

मुहर और मुद्रांकन

मुहर और मुद्रांकन का प्रयोग लम्बी दूरी के सम्पर्क को आसान बनाने में किया जाता था-, उदाहरण = किसी समान से भरे थैले को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जब भेजा जाता था- तब उसकी सुरक्षा का ध्यान रखा जाता था- थैले की मुख को रस्सी के माध्यम से बाँधा जाता था- ताकि थैले को सुरक्षित उस स्थान पँहुचा पाए- इसलिए रस्सी बाँधते थे-।

हड़प्पाई लिपि

1. हड़प्पाई लिपि चित्रात्मक लिपी थी-।
2. इस लिपि में चिन्हो की संख्याँ लगभग 375 से 400 के - बीच थी- तथा सबसे बड़े 26 की थी-।
3. हड़प्पाई लिपि को दाए से बाए की ओर लिखा जाता हैं-
4. हड़प्पा लिपी एक रहस्यमई लिपी इसलिए कहलाती है- क्योंकि इस लिपी को आज तक को आज तक पढा नही जा सका-।

बाट

बाट चर्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे- छोटे बड़ो का प्रयोग आभूषण और मनको को तोलने के लिए किया जाता था- धातु से बने तराजू के पलडे. भी मिले हैं- ये बाट देखने में- बिल्कुल साधारण होते हैं- इनमें किसी प्रकार का कोई नही ही बनाया जाता था - बाट का प्रयोग सामान तथा व्यापार का माप करने में भी बाट का प्रयोग करते हैं-।

Note ⇒ बाट हड़प्पा सभ्यता मे चर्ट नामक पत्थर से बनते थे-

CamScanner

हड़प्पा संस्कृति में शासन –

हड़प्पा सभ्यता में किस प्रकार का ही शासन था - इसके बारे में अधिक ज्ञात नही हैं - लेकिन अनुमान है - कि इस सभ्यता में जटिल कानून थे - क्योकि हड़प्पा सभ्यता की - वस्तुओ में एकरूपता दिखाई देती हैं - जैसे = मुहरे, बाट, मनके, ईंट इत्यादि - यह सभी अलग - अलग स्थानो से मिले - लेकिन इन सब एकता तथा एकरूपता देखने को मिलती थी - |

प्रासाद और शासक –

मोहनजोदड़ो में एक विशाल भवन मिला जिसे प्रासाद कहा जाता हैं - तथा इसे प्रासाद की संज्ञा दी गई - लेकिन यहाँ से कोई भव्य वस्तु नही मिली - एक पत्थर की मूर्ति को पुरोहित राजा का नाम दिया गया - लेकिन इसके विश्वसनीय प्रमाण अभी तक नही मिले - इस तरह हड़प्पा सभ्यता में प्रासाद था - |

हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थल

1. लोथल, धौलावीरा, रंगपुर, सुतकोटड़ा, नागेश्वर → गुजरात
2. बनावली, मिताथल, राखीगढी, भगवानपुरा → हरियाणा
3. कालिबंगा, पिलिबंगा, रंगमहल → राजस्थान
4. चहुंदड़ो, बालाकोट, कोटदीजी, सुत्कागडोर, हड़प्पा, मोहनजोदड़ो → पाकिस्तान
5. आलम गिरपुर → उतर प्रदेश

Board Study
CamScanner

हड़प्पा सभ्यता का पतन

1. बाढ आना -
2. सिन्धु नदी का मार्ग बदलना -
3. भूकम्प के कारण -
4. जलवायु परिवर्तन - ① प्रमुख कारण
5. आर्यो का आक्रमण -
6. वनो की कटाई -

कनिंघम कौन था - ?

- कंनिंघम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का पहला डायरक्टेर था - जो कि 1875 में बना था -।
- कनिंघम को भारतीय पुरातत्व का जनक भी कहा जाता हैं -
- कंनिंघम ने 19 वी शताब्दी के मध्य मे खनन कार्य करवाया -

*** कनिंघम का भ्रम -**

- जब इनको अंग्रेज अधिकारी ने जब हड़प्पाई मुहरे दिखाई - तो कनिंघम यह नही समझ पाये - मुहरे पुरानी हैं - वे उसके महत्व को समझ नही पाए - कि मुहरे कितनी प्राचीन थी -

⇒ कंनिंघम ने यह सोचा कि यह मुहर भारतीय इतिहास का ही प्रारम्भ गंगा घाटी में पनपे पहले शहरो से सम्बंधित हैं -। जबकि यह मुहरे घाटी गंगा के शहरो से भी पहले की थी -।

⇒ अलेकजेंडर कंनिंघम ने सोच लिया - कि यह मुहरे गंगा घाटी से सम्बधित हैं - लेकिन यह मुहरे तो गंगा घाटी से पहले - की थी - वास्तव में यह हड़प्पाई मुहरे थी -।

CamScanner

उत्खनन तकनीक –

सामान्य तौर पर सबसे नीचे स्तर पर मिली वस्तुएँ प्राचीनतम मानी जाती हैं- और सबसे ऊपरी स्तर पर मिली- वस्तुएँ नवीनतम मानी जाती हैं- इसी के आधार पर पुरावस्तुओं का कालखण्ड निर्धारित किया जाता हैं -।

धार्मिक मान्यता –

1. आभूषण से लदी हुई नारी की मूर्ति मिली हैं - इन्हे मात्रदेवी या मातृदेवी की संज्ञा दी गई थी -।
2. वेदियों तथा संरचनाओं को अनुष्ठानिक महत्व दिया गया -
3. कुछ मुहरे पर पेड़-पौधे भी उत्कीर्ण थे -
4. ऐसा माना जाता हैं- कि हड़प्पा सभ्यता के लोग प्रकृति पेड़- पौधो की पूजा करते थे- तथा उनकी सुरक्षा भी करते थे -
5. कुछ मुहरे में एक व्यक्ति योगी की मुद्रा मे बैठा दिखाया हैं -
6. पत्थर के शंकु, आकार, वस्तुओं को शिवालिंग के रूप मे अलग- अलग वर्गीकृत किया गया हैं -।

R.E.M. Wheeler –

व्हीलर 1944 में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल बने- इन्होने उत्खनन की समस्या का निदान करवाया-, अलेक्जेंडर कंनिघम के बाद इसरे डायरेक्टर व्हीलर थे- जिन्होंने उत्खनन कार्य करवाया -।

CamScanner

PAGE NO.:
DATE: / /

अध्याय - 1 Test - series महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न ० (1) हड़प्पा सभ्यता की खोज कब और किसकी नेतृत्व मे हुई -
प्रश्न ० (2) भारतीय पुरातत्व का जनक किसे कहा जाता है -
प्रश्न ० (3) हड़प्पा सभ्यता के निर्वाह के तरिके बताओ - ?
प्रश्न ० (4) हड़प्पा सभ्यता मे नेहरो के साक्ष्य कहाँ से मिले - ?
प्रश्न ० (5) हड़प्पा सभ्यता का विस्तार किस प्रकार था - ?
प्रश्न ० (6) पुरास्थल से क्या तात्पर्य है - ?
प्रश्न ० (7) हड़प्पा सभ्यता को कितनी बस्ती मे बाँटा गया है -
प्रश्न ० (8) हड़प्पा सभ्यता के पाँच प्रमुख स्थलो के नाम बताइए -
प्रश्न ० (9) शिल्प उत्पादन का महत्वपूर्ण क्रेन्द्र कौनसा था - ?
प्रश्न ० (10) हड़प्पाई लिपी के बारे मे आप क्या जानते है - ?
प्रश्न ० (11) बाट किस पत्थर से बनाए जाते थे -
प्रश्न ० (12) मोहनजोदड़ो मे मिले विशाल भवन किसकी सज्ञा दी -
प्रश्न ० (13) हड़प्पा सभ्यता के पतन के दो कारण बताओ - ?
प्रश्न ० (14) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए - ?
(a) मोहनजोदड़ो (B) हड़प्पा
प्रश्न ० (15) कनिंघम कौन था - उसका क्या भ्रम था - ?
प्रश्न ० (16) हड़प्पा सभ्यता किस नदी पर बसी थी - ?
प्रश्न ० (17) मोहनजोदड़ो की खोज कब व किसने की - ?
प्रश्न ० (18) हड़प्पा सभ्यता मे कृषि प्रौद्योगिकी का वर्णन कीजिए -
प्रश्न ० (19) हड़प्पा सभ्यता में धार्मिक विशेषताएँ बताइए - ?
प्रश्न ० (20) हड़प्पा सभ्यता की विशेषताएँ लिखिए - ?

CamScanner